समाज कार्य में स्नातकोत्तर उपाधि

(बीएसडब्ल्यू–तृतीय वर्ष)

सत्रीय कार्य : 2022–2023

पाठ्यक्रम शीर्षक

बीएसडब्ल्यूई-003 : समुदाओं और संस्थानों के साथ समाज कार्य अंतःक्षेप

बीएसडब्ल्यूई-005 : एचआईवी/एड्स का परिचय

बीएसडब्ल्यूई-006 : मादक द्रव्य दरुपयोग और परामर्श

अध्ययन केंद्र में सत्रीय कार्य जमा कराने की अन्तिम तारीखः

जुलाई, 2022 सत्र–मार्च 31,2023

जनवरी, 2023 सत्र–सितम्बर 30,2023

इग्नू
जन-जन का
विश्वविद्यालय

समाज कार्य विद्यापीठ

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय

मैदान गढ़ी, नई दिल्ली–110 068

प्रिय शिक्षार्थी,

इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) के बीएसडब्ल्यू कार्यक्रम में आपका स्वागत है। आपने समाज कार्य में स्नातक होने के लिए यह कार्यक्रम एक उद्देश्य के साथ चुना है ताकि आप हमारी मानवजाति की सामाजिक दशाएं सुधारने के लिए अपनी योग्यता प्रमाणित कर सकें। बीएसडब्ल्यू कार्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए, कृपया निम्नलिखित बातों का पालन करें:

- अपना अध्ययन आरंभ करने से पहले कार्यक्रम दर्शिका को पढ़िए। इससे इग्नू के बी.एस.डब्ल्यू. अध्ययन करने के बारे में आपके अधिकतर संदेह दूर हो जाएंगे।
- आप अपने सत्रीय कार्य अपने अध्ययन केंद्र में समय पर जमा कराएं।
- अपने अध्ययन केंद्र और क्षेत्रीय केंद्र के संपर्क में रहें।
- परीक्षा फार्म समय पर भरें।

बीएसडब्ल्यू तृतीय वर्ष के लिए आपको बीएसडब्ल्यूई 003, बीएसडब्ल्यूई 005, बीएसडब्ल्यूई 006 और अन्य आधार पाठ्यक्रम के लिए प्रत्येक का एक–एक अध्यापक जांच सत्रीय कार्य (टी.एम.ए.) करना होगा।

सत्रीय कार्य एक खुली किताब है और हम इग्नू में प्रत्येक पाठ्यक्रम के समग्र ग्रेड की गणना करते समय सत्रीय कार्यों के लिए 30%भारित देते हैं। **सत्रीय कार्य हस्तलिखित और स्वहस्ताक्षरित होने चाहिए**। सत्रीय कार्य–प्रतिक्रिया का एक अच्छा सेट तैयार करने के लिए आप उन सभी अध्यायों को पढ़े जिनमें से सवाल तैयार किए गए हैं। आप अपने सहकर्मी शैक्षिक परामर्शदाताओं और प्रोफेसरों के साथ चर्चा करे जिन्होंने आपको पढ़ाया है। मसौदा तैयार करे, उस पर आवश्यक सुधार करे और तब अंतिम संस्करण अध्ययन केंद्र में प्रस्तुत करने के लिए तैयार करें।

हर सवाल का जवाब देने के लिए नया पृष्ठ शुरू करें। लंबे और मध्यम जवाब देने के लिए यह सुनिश्चित करें कि इसमें एक परिचय है, मुख्य भाग के लिए एक उप–शीर्षक और एक निष्कर्ष हो। प्रत्येक अनुच्छेद के बीच एक लाईन छोड़े। आपके जवाब विशिष्ट हों और आपके अपने शब्दों में हो यह किताब की नकल ना हो। आपके उत्तर इग्नू के पठन सामग्री पर आधारित हों। सत्रीय कार्य आपके सत्रांत परीक्षा की तैयारी है, इसलिए इसे गंभीरतापूर्वक लें।

(डॉ.सायन्तनी गुइन)
कार्यक्रम संयोजक
email:sayantaniguin@ignou.ac.in
Ph: 011–29571697

समुदाओं और संस्थानों के साथ समाज कार्य अंतःक्षेप
सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : बीएसडब्ल्यूई– 003
कुल अंक–100

नोट : i) सभी **पांचों** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
ii) सभी **पांचों** प्रश्नों के अंक समान हैं।
iii) प्रश्न सं. **1** और **2** के उत्तर, प्रत्येक के **500** शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

1) भारत में समाज कल्याण प्रशासन के कार्यक्षेत्र की विस्तार से चर्चा कीजिए। 20

अथवा

वर्तमान संदर्भ में भारत में सामाजिक क्रिया की प्रासंगिकता का समालोचनात्मक विश्लेषण कीजिए। 20

2) समाज कार्य अनुसंधान क्या है? समाज कार्य अनुसंधान के दायरे और सीमाओं को सूचीबद्ध करें। 20

अथवा

भारत में महिला सशक्तिकरण के लिए बने महत्वपूर्ण विधानों का वर्णन कीजिए। 20

3) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों का उत्तर (लगभग **250** शब्दों में) दीजिएः

क) सामुदायिक कार्य के लिए गांधीवादी दृष्टिकोण की प्रासंगिकता पर चर्चा करें।

ख) सामुदायिक संगठन और सामुदायिक विकास में क्या अंतर है? 10

ग) भारत में स्थानीय स्वशासन में महिलाओं के प्रतिनिधित्व की चुनौतियों और परिणामों पर प्रकाश डालिए। 10

घ) भारत में मौजूदा मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं का वर्णन करें। 10

4) निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों का उत्तर (लगभग **150** शब्दों में) दीजिएः

क) समाज कार्य में समस्या समाधान के तरीके के रूप में सामुदायिक संगठन से आप क्या समझते हैं? 5

ख) सामुदायिक संगठनकर्ता की विभिन्न विशेषताओं की विवेचना कीजिए। 5

ग) सामाजिक स्वास्थ्य से आप क्या समझते हैं? 5

घ) स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली में एक सामाजिक कार्यकर्ता की क्या भूमिका है? 5

ङ) भारतीय संदर्भ में मानसिक स्वास्थ्य समस्या की सीमा पर प्रकाश डालिए। 5

च) सामुदायिक स्वास्थ्य कार्य के विभिन्न मॉडलों की व्याख्या कीजिए। 5

5) निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पर संक्षिप्त टिप्पणियां (लगभग **100** शब्दों में) लिखिएः

क) मातृत्व लाभ 4

ख) विवेक 4

ग) स्थानीय विकास 4

घ) सामुदायिक कार्य 4

ङ) गुटबाजी 4

च) कोटा नमूना चयन 4

छ) क्रिया अनुसंधान 4

ज) द्विचर विश्लेषण 4

एचआईवी/एड्स का परिचय
सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : बीएसडब्ल्यूई– 005
कुल अंक–100

नोट : i) सभी **पांचों** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
ii) सभी **पांचों** प्रश्नों के अंक समान हैं।
iii) प्रश्न सं. **1** और **2** के उत्तर, प्रत्येक के **500** शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

1) एचआईवी/एड्स के संचरण से संबंधित मिथक और भ्रांतियों की चर्चा कीजिए। 20

अथवा

एचआईवी मां से बच्चे में कैसे फैलता है वर्णन करें। 20

2) समुदाय के लिए एचआईवी/एड्स के प्रभावों पर चर्चा करें। 20

अथवा

एसटीडी के लिए उपचार के विकल्पों की व्याख्या करें। 20

3) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों का उत्तर (लगभग **250** शब्दों में) दीजिएः
क) पूर्व–परीक्षण परामर्श में शामिल चरणों की व्याख्या करें। 10
ख) उपयुक्त उदाहरणों के साथ एचआईवी के परीक्षण के प्रकारों की चर्चा कीजिए। 10
ग) राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम के घटकों की व्याख्या कीजिए। 10
घ) एचआईवी/एड्स और मादक द्रव्यों के सेवन के बीच संबंध का वर्णन करें। 10

4) निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों का उत्तर (लगभग **150** शब्दों में) दीजिएः
क) एड्स अन्य बीमारियों से किस प्रकार भिन्न है? 5
ख) एचआईवी/एड्स में संकट परामर्श के महत्व की व्याख्या करें। 5
ग) आप एचआईवी की रोकथाम में आईईसी के घटकों का उपयोग कैसे करते हैं? 5
घ) एचआईवी/एड्स के साथ जी रहे बच्चे के अधिकारों का उल्लेख करें। 5
ङ) एड्स से पीड़ित व्यक्ति के मनोवैज्ञानिक सरोकारों की व्याख्या कीजिए। 5
च) उपशामक देखभाल एड्स से पीड़ित रोगी की कैसे मदद करती है? 5

5) निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पर संक्षिप्त टिप्पणियां (लगभग **100** शब्दों में) लिखिएः
क) एचआईवी संक्रमण और एसटीडी 4
ख) संवेदनशील जनसंख्या 4
ग) ब्रेकिंग न्यूज 4
घ) उच्च जोखिम वाले व्यवहार में कमी 4
ङ) पालन परामर्श 4
च) गोपनीयता 4
छ) वकालत 4
ज) प्राथमिक चिकित्सा 4

मादक द्रव्य दरुपयोग और परामर्श
सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : बीएसडब्ल्यूई– 006
कुल अंक–100

नोट : i) सभी **पांचों** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
ii) सभी **पांचों** प्रश्नों के अंक समान हैं।
iii) प्रश्न सं. **1** और **2** के उत्तर, प्रत्येक के **500** शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

1) भारत में व्यक्ति पर मादक द्रव्यों के सेवन के परिणामों की चर्चा कीजिए 20

अथवा

भारत में पदार्थ की रोकथाम में नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक पदार्थ अधिनियम (एनडीपीएस 1985) की भूमिका की आलोचनात्मक चर्चा करें। 20

2) भारत में एचआईवी/एड्स और पारिवारिक शिक्षा को बढ़ावा देने में मीडिया की भूमिका पर प्रकाश डालिए। 20

अथवा

परामर्श में शामिल विभिन्न चरणों की व्याख्या करें। 20

3) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों का उत्तर (लगभग **250** शब्दों में) दीजिए:

क) एचआईवी/एड्स परामर्श में नैतिक मुद्दों पर चर्चा करें। 10

ख) नशीली दवाओं और नशीली दवाओं के दुरुपयोग से संबंधित मिथकों की व्याख्या करें। 10

ग) नशीली दवाओं के दुरुपयोग और तस्करी की सामाजिक लागत पर चर्चा करें। 10

घ) मनोचिकित्सा और परामर्श के बीच अंतर स्पष्ट करें। 10

4) निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों का उत्तर (लगभग **150** शब्दों में) दीजिए:

क) मादक द्रव्यों के सेवन और अपराध के बीच संबंध को स्पष्ट कीजिए। 5

ख) मादक द्रव्यों के सेवन के उपचार में विषहरण अवस्था की विवेचना कीजिए। 5

ग) पुनरावर्तन रोकथाम रणनीतियों का वर्णन करें। 5

घ) मादक द्रव्यों के सेवन में विभिन्न सामाजिक उपचार के तौर–तरीकों की चर्चा कीजिए। 5

ङ) संचार की अवधारणा की व्याख्या करें। 5

च) एचआईवी/एड्स में बाद– परीक्षण परामर्श की आवश्यकता पर प्रकाश डालिए। 5

5) निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पर संक्षिप्त टिप्पणियां (लगभग **100** शब्दों में) लिखिए:

क) मादक पदार्थों की तस्करी 4

ख) मादक द्रव्यों के सेवन और परिवार 4

ग) अवसाद 4

घ) पुनर्वास 4

ङ) तनाव प्रबंधन प्रशिक्षण 4

च) समूह मनोचिकित्सा 4

छ) स्थानांतरण 4

ज) संज्ञानात्मक विकृतियाँ 4